The Hawk
16-9-2021

Renovation Work Of Historical FRI Building

Dehradun (The Hawk): The main building of Forest Research Institute, Dehradun was constructed in the year 1929. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department, Government of India. After the earthquake in Chamoli, Uttarakhand in the year 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, seepage etc. is also appearing in it. To deal with these problems Central Public Works Department with the help of C.B.R.I., Roorkee is initiating renovation work.

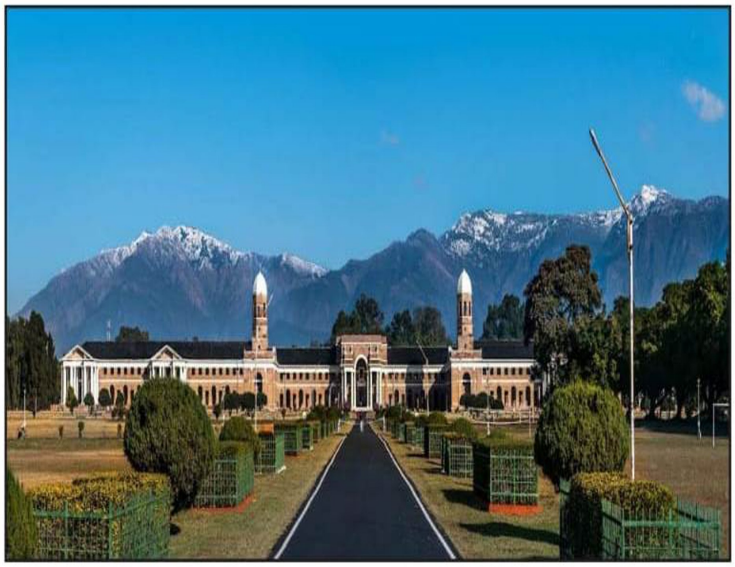

Shah Times
16-9-2021

सीबीआरआई रूड़की करेगा एफआरआई के मुख्य भवन का पुनः संयोजन का कार्य

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के मुख्य भवन का निर्माण वर्ष 1929 में किया गया था। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत सरकार द्वारा इसका निर्माण वर्ष 1923 में प्रारम्भ किया गया था। वर्ष 1999 में चमोली, उत्तराखंड में आये भूकंप के बाद इस ऐतिहा. सिक भवन के कुछ हिस्सों में दरारें आ गई थी। इसके अतिरिक्त, समय के साथ-साथ इसमें लीकेज, सिलेज आदि की समस्याएँ भी आ रही है। इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की ओर से सी. बी.आर.आई., रुड़की की तकनीकी सहायता से इस ऐतिहासिक भवन के पुनः संयोजन का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है।

Amar Ujala
17-9-2021

क्षतिग्रस्त एफआरआई भवन की मरम्मत में जुटे विशेषज्ञ

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। उत्तरकाशी में साल 1999 में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) के सभागार समेत मुख्य भवन में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर आयी दरारों की मरम्मत शुरू की गई है।

उत्तरकाशी में आए विनाशकारी भूकंप के दौरान मुख्य भवन में आयी थीं दरारें

केंद्रीय वन अनुसंधान संस्थान रुड़की (सीबीआरआई) के विशेषज्ञों की देखरेख में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों द्वारा मरम्मत की जा रही है। उल्लेखनीय पहलू यह है कि वन अनुसंधान संस्थान के इंजीनियरों ने पहले अपने स्तर पर इसकी मरम्मत की कोशिश की, लेकिन जब वे दरारों की मरम्मत नहीं कर पाए तो सीबीआरआई के विशेषज्ञों की मदद ली गई। वन अनुसंधान संस्थान के इंजीनियरिंग सेल के प्रमुख आरएस तोपवाल ने बताया कि सीबीआरआई के विशेषज्ञों की टीम ने दरारों का तकनीकी अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद केंद्र सरकार की ओर से मरम्मत के लिए बजट जारी किया गया। बताया कि सीबीआरआई विशेषज्ञों की देखरेख में मरम्मत का काम शुरू किया गया है।

सूरज की गर्मी से पकाई ईंटों से हुआ था निर्माण

वन अनुसंधान संस्थान का मुख्य भवन वास्तुकला के लिहाज से दुनिया के चुनिंदा भवनों में से एक है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में मुख्य भवन को विशुद्ध रूप से सूर्य की गर्मी से पकायी गई ईंटों से बना दुनिया का उत्कृष्ट निर्माण बताया है। दो हजार एकड़ में फैले एफआरआई के निर्माण पर उस समय नब्बे लाख रुपये खर्च किए गए और सात साल में इसका निर्माण पूरा किया गया। सात नवंबर 1929 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इरविन ने एफआरआई भवन का उद्घाटन किया था। एफआरआई के निर्माण में ग्रीक-रोमन शैली की वास्तुकाला का इस्तेमाल किया गया। संस्थान के मुख्य भवन का डिजाइन महान वास्तुकार बिलियन लुटियंस ने तैयार किया था। एफआरआई को पहले इंपीरियल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट एंड कॉलेज के नाम से जाना जाता था।

Punjab Kesari
16-9-2021

एफआरआई की ऐतिहासिक इमारत में 1999 के चमोली भूकंप से आई दरारें ठीक करने का काम शुरू, 16.86 करोड़ होंगे खर्च

दो साल में दूर हो जाएंगी शताब्दी पुरानी धरोहर की 'झुर्रियां'

देहरादून, 15 सितम्बर (विशेष संवाददाता) : वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की करीब एक शताब्दी पुरानी हेरिटेज बिल्डिंग के दिन बहुरने जा रहे हैं। 1999 के चमोली भूकंप के दौरान एफआरआई की ऐतिहासिक बिल्डिंग में दरारें आ गई थीं। करीब दो दशक बाद 16.86 करोड़ रुपये की लागत से इसकी मरम्मत का काम शुरू किया गया है।

एफआरआई की मेन बिल्डिंग का निर्माण साल-1923 में शुरू किया गया था। सीपीडब्ल्यूडी ने इसे 1929 में तैयार किया। एफआरआई पीआरओ ऑफिस के तकनीकी अधिकारी वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि बिल्डिंग में दरारों के कारण लीकेज, सीलन आदि की समस्याएं भी पेश आ रही थीं। अब इसके उपचार का काम शुरू किया गया है।

एफआरआई के इंजीनियरिंग सेल के प्रमुख आरएस केथवाल ने बताया कि सीपीडब्ल्यूडी ने सीबीआरआई की मदद से बिल्डिंग की मरम्मत का काम शुरू कराया है। दिल्ली एक एजेंसी इस काम को कर रही है। साल 2018 में सीपीडब्ल्यूडी ने इसकी मरम्मत संबंधी कार्ययोजना परामर्श के लिए सीबीआरआई रुड़की को भेजी थी। सीबीआरआई ने साल 2019 में अपनी रिपोर्ट दी। पिछले साल इसके लिए वित्तीय स्वीकृति मिली। कोविड की वजह से काम में विलंब हुआ। अब यह काम शुरू कर दिया गया है। अगले दो साल में इसे पूरा कर लिया जाएगा।

The Pioneer
16-9-2021

Renovation of FRI building begins

PNS ■ DEHRADUN

Renovation work is being started in the historic building of the Forest Research Institute (FRI) here. The main building of FRI was constructed during the year 1929 in Dehradun. Its construction was started in the year 1923 by the Central Public Works Department. According to officials, after the earthquake in Chamoli, Uttarakhand during the year 1999, some parts of this historic building had developed cracks. Apart from this, with the passage of time, problems of leakage, seepage and other issues were also being experienced in it.

To deal with these problems the Central Public Works Department with the help of CBRI, Roorkee is initiating renovation work.

Rashtriya Sahara
16-9-2021

ऐतिहासिक इमारत की दरारों को पाटने का 'श्रीगणेश'

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वास्तुकला के प्राचीन मॉडल वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) की ऐतिहासिक इमारत की बिखड़ी सेहत को सुधारने का कार्य शुरू हो गया है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग ने सीबीआरआई रुड़की के तकनीकी सहयोग से इमारत पर पड़ी लंबी-चौड़ी दरारों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

यह दरारें पिछले दो दशक से इस ऐतिहासिक इमारत की भव्यता को मुंह चिढ़ा रही थी। यद्यपि एक दशक पहले केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और वन अनुसंधान संस्थान के रखरखाव, अनुरक्षण व अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देने के लिए जो अनुदान राशि जारी दी थी उससे भी इन दरारों को पाटने की बात की गई थी। तब डा. जीएस रावत आईसीएफआरई के महानिदेशक पद पर तैनात थे। लेकिन बाद के वर्षों में यह मामला अधर में लटक गया।

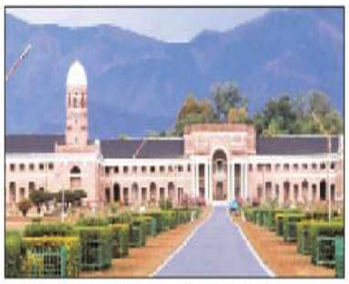

100 साल होने जा रही इमारत की उम्र

एफआरआई की मुख्य इमारत ब्रिटिश वास्तुविद् सीजी ब्लाम्सफील्ड द्वारा तैयार किए गए डिजायन पर निर्मित है। सरदार रणजीत सिंह ने वर्ष 1924 में भवन का निर्माण कराया था। सात एकड़ भूखंड पर विस्तारित 228 मीटर लंबी इमारत तीन ब्लाक (पूर्वी, पश्चिमी व मध्य ब्लाक) में विभाजित है। वर्ष 1929 में तत्कालीन वाइसराय लार्ड इरविन ने इस ऐतिहासिक इमारत का उद्घाटन किया था। भारत सरकार ने बाद में इसको राष्ट्रीय संपदा घोषित कर संरक्षित करने का जिम्मा उठाया है। देशदुनिया में यह भवन वास्तुकला का विशिष्ट उदाहरण भी है। छोटे व बड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी कई फिल्मों का फिल्मांकन भी यहां पर हुआ है।

बताते चलें कि देहरादून के चकराता रोड पर स्थित एफआरआई भवन ऐतिहासिक है। इसकी भव्यता देश ही नहीं विदेशों में भी चर्चित है। सात एकड़ (2.8 हेक्टेयर) भूखंड पर विस्तारित यह इमारत प्राचीन वास्तुकला का अनूठा उदाहरण है। केंद्र सरकार इस ऐतिहासिक भवन को पहले ही राष्ट्रीय संपदा घोषित कर चुकी है। चिंता यह कि पिछले कुछ साल में भवन के हालात जर्जर हुए हैं। बताया जाता है कि वर्ष 1991 व 1999 में आये भूकंप के तेज झटकों ने इमारत की भव्यता को नुकसान पहुंचाया है।

इससे इमारत के मध्य भाग की दीवारों व गुम्बदों में लंबी-चौड़ी दरारें आ गई थी। साथ ही लीकेज, सिलेज आदि की समस्या भी बढ़ती जा रही थी। आईआईटी-सीबीआरआई रुड़की के वैज्ञानिक भी कई बार भवन पर पड़ी इन दरारों का निरीक्षण कर चुके हैं। बावजूद इमारत पिछले हिस्से पर पड़ी दरारों को समय पर पाटने की कोशिश नहीं की गई। बहरहाल, अब देर से ही सही पर इस ऐतिहासिक इमारत पर पड़ी दरारों का पाटने का कार्य शुरू हो ही गया है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग मरम्मत कार्य के लिए सीबीआरआई रुड़की से तकनीकी सहयोग प्राप्त कर रहा है। बताया जा रहा है कि रिट्रोफिटिंग तकनीक से इन दरारों को पाटा जाएगा। क्योंकि इस तकनीक में भवन के पुराने व सुरक्षित हिस्से को अधिक नुकसान पहुंचने की संभावना कम रहती है और ना ही भवन पर ज्यादा तोड़फोड़ करनी पड़ती है।

■ वर्ष 1991 व 1999 में भूकंप के तेज झटकों से एफआरआई की बिल्डिंग पर आ गई थी कई दरारें

■ पिछले दो दशक से इमारत की भव्यता को मुंह चिढ़ा रही ये दरारें

■ सीबीआरआई रुड़की की तकनीक मदद से सीपीडब्ल्यूडी ने शुरू किया मरम्मत का कार्य